भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 13

उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 22 जुलाई, 2024

31 आषाढ़, 1946(शक)

सांस्कृतिक विरासत के महत्व के बारे में जागरूकता

13. श्री बैजयंत पांडा :

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने सांस्कृतिक विरासत के महत्व के बारे में जागरूकता के लिए कोई अभियान शुरु किया है अथवा शुरु करने की योजना है ;

(ख) यदि हां, तो इन अभियानों और मीडिया जिनके माध्यम से उन्हें प्रसारित किया जाएगा का कोई ब्यौरा है ;

(ग) इन अभियानों के लिए लक्षित दर्शक कौन है और इसका क्या प्रभाव पड़ने की संभावना है ;

(घ) क्या इन जागरूकता अभियानों में स्थानीय समुदायों और संगठनों की कोई भूमिका है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): सांस्कृतिक जागरूकता की प्रासंगिकता को मान्यता देते हुए, मंत्रालय नियमित रूप से विश्व धरोहर दिवस, विश्व धरोहर सप्ताह, अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस, गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस और गांधी जयंती जैसे विभिन्न अवसरों पर प्रदर्शनियों, स्लाइड शो की मदद से व्याख्यान, कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं और अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से सांस्कृतिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है, जिसमें आम जनता, स्कूल और कॉलेज के छात्र शामिल होते हैं। इसके अलावा, चुनिंदा स्मारकों पर व्याख्या केंद्र में वीडियो फिल्में दिखाई जाती हैं।

संस्कृति मंत्रालय भी नियमित रूप से स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, गांधी जयंती, अंबेडकर जयंती, कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती, वाचन दिवस, अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस, शिक्षक दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर पुस्तक प्रदर्शन, प्रदर्शनी, कार्यक्रम और ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में व्याख्यान आयोजित करता है, ताकि आम जनता के लिए पुस्तकों के रूप में हमारी सांस्कृतिक विरासत के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके।

आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम गतिविधियां के तहत किला और कहानियां अभियान, वंडर केव्स अभियान, माधवपुर घेड उत्सव, कलांजलि कार्यक्रम, वितस्ता- कश्मीर की बौद्ध विरासत का जश्न और मेरा गांव मेरी धरोहर आदि आयोजित किए गए।

गैलरी, पुस्तकालय, अभिलेखागार और संग्रहालय (जीएलएएम) प्रभाग ने कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, प्रदर्शनियों, मास्टर कक्षाओं, व्यावहारिक प्रशिक्षण आदि के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय एक्सपो, पुस्तकालय और भारतीय कला तथा वास्तुकला एवं डिजाइन द्विवार्षिक महोत्सव का आयोजन किया है।

इसके अलावा, मंत्रालय के अंतर्गत क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र ने क्षेत्रीय स्तर के उत्सव भी मनाए हैं, जैसे कुरुक्षेत्र (हरियाणा) का गीता महोत्सव, पोरबंदर (गुजरात) का माधवपुर घेड महोत्सव, गोवा का लोकोत्सव, नागपुर (महाराष्ट्र) का ऑरेंज सिटी क्राफ्ट मेला, ओडिशा का लिंगराज महोत्सव, पश्चिम बंगाल का सिल्क सिटी महोत्सव, मणिपुर का डिस्कवर नॉर्थ ईस्ट, इम्फाल (मणिपुर) का मणिपुर संगाई महोत्सव, चांदीपुर (ओडिशा) का गोल्डन बीच महोत्सव, गांधीनगर (गुजरात) का वसंतोत्सव महोत्सव और तेलंगाना का राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव।

(ग): इसका लक्षित दर्शक वर्ग ज्यादातर आम लोग हैं तथा विशेष रूप से विद्यालय और महाविद्यालय के विद्यार्थी हैं।
(घ) और (ड.): स्थानीय समुदाय/संगठन भी कार्यक्रमों के आयोजन में सहयोग करते हैं।

*****